04/01/2024

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5507 **G**

Unique Paper Code : 12277503

Name of the Paper : Economic History of India 1857-1947

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Economics (LOCF) – DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions carry equal marks (**15** marks each).
3. Attempt any **five** questions.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । (15 अंक)

3. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. "In spite of the fact that skill and knowledge possessed by the Indian artisans and merchants were far closer to those of their counterparts in Europe in the early nineteenth century, Indian artisans and merchants did not grow because of lack of state support." How far do you agree with this statement? Explain.

"बावजूद इस तथ्य के कि उन्नीसवीं शताब्दी के आरंभ में भारतीय कारीगरों तथा व्यापारियों का कौशल एवं ज्ञान यूरोपीय कारीगरों तथा व्यापारियों के समकक्ष था, भारतीय कारीगर तथा व्यापारी राज्य समर्थन की कमी के कारण विकसित नहीं हुए।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? व्याख्या करें।

2. The structure of workforce changed little during 1881-1951 in India. Discuss in detail the reasons behind this phenomenon.

भारत में 1881–1951 के दौरान श्रमशक्ति की संरचना में नाममात्र का परिवर्तन आया। इसके पीछे के कारणों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. Was it the conquest of famines in the 20th century due to the humanistic government policies or

favourable climatic conditions that led to mortality decline and the consequent surge in population growth in India in the 20th century? Discuss.

क्या यह 20वीं शताब्दी में मानवतावादी सरकार की नीतियां थी या अनुकूल जलवायु परिस्थितियां जिसके कारण अकाल पर विजय पायी जा सकी, इससे 20वीं शताब्दी में भारत में मृत्यु दर में गिरावट एवं जनसंख्या वृद्धि हुई थी? चर्चा करें।

4. "It was not commercialisation but technical stagnation, poor resource endowment and structure of land rights that led to a prolonged period of agricultural stagnation in India." Do you agree? Give reasons in support of your answer.

"व्यावसायीकरण के कारण नहीं, अपितु तकनीकी ठहराव, तुच्छ संसाधन तथा भू-अधिकारों की संरचना जैसे कारणों से भारत में लंबे समय तक कृषि ठहराव की स्थिति बनी रही।" क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दें।

5. Available evidence suggests that railways contributed in the growth of agriculture trade, generation of new jobs (both directly and indirectly), and helped in the progress of modern industries in India. Yet in the long run the railways failed to alter the basic structure of the economy. Why? Discuss.

उपलब्ध प्रमाण यह बताते हैं कि रेलवे ने भारत में कृषि-सम्बन्धी व्यापार की वृद्धि, नए रोजगार के सृजन (प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दोनों तरीके से) में योगदान दिया तथा आधुनिक उद्योगों की प्रगति में सहायता की। फिर भी दीर्घकाल में रेलवे अर्थव्यवस्था की आधारभूत संरचना को बदलने में असफल रहा। क्यों? विवेचन कीजिए।

6. Indian 'Bazaar' were indigenous and sharply distinct from the European owned industry in India, however, both contributed to the development of the modern industry in India, perhaps, the former more than the latter." Do you agree? Give reasons in support of your answer.

भारतीय 'बाजार' स्वदेशी था तथा भारत में यूरोपीय स्वामित्व वाले उदयोगों से पूर्णतया भिन्न था, फिर भी, दोनों ने भारत में आधुनिक उद्योग के विकास में योगदान दिया, किन्तु संभवत:, प्रथम का योगदान द्वितीय की तुलना में कहीं अधिक था।" क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दें।

7. The pattern of development of Bombay industrial workforce was quite different from the industrial labour force engaged in TISCO plant in the early 20th century. Explain.

आरंभिक 20वीं शताब्दी में बम्बई के औदयोगिक श्रम-बल के विकास का स्वरूप, टिस्को संयंत्र में लगे औदयोगिक श्रम-बल के विकास के स्वरूप से काफी भिन्न था। व्याख्या करें।

8. Critically examine Washbrook's contention that - the East India Company government in India, followed very regressive economic strategies that hurt the Indian economy and also failed to provide any benefits to British (and Indian) business interests. And yet, the British parliament did not deem it necessary to stop the EIC, for quite rational reasons.

वाशब्रुक के इस कथन की आलोचनात्मक व्याख्या करें कि - भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने ऐसी प्रतिगामी आर्थिक रणनीतियों का पालन किया, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को हानि पहुँचाई तथा

जो ब्रिटिश (तथा भारतीय व्यापारियों) के व्यापार हितों को लाभ पहुँचाने में भी विफल रही फिर भी ब्रिटिश संसद ने ईस्ट इंडिया कंपनी को रोकना आवश्यक नहीं समझा जिसके लिए उसके पास पर्याप्त तर्कसंगत कारण थे।